धनबाद, बुधवार
7 फरवरी, 2024
आसनसोल संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 12
www.jagran.com

दैनिक जागरण

प. बंगाल, झारखंड, बिहार, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित

जल प्रदूषण से संबंधित छोटे-मोटे मामले अपराध के दायरे से होंगे बाहर 3

राजनीति में लालकृष्ण आडवाणी का अमूल्य योगदान : शाह 10

संपादकीय

राजनीतिक अनिश्चितता से घिरा पाकिस्तान : पाकिस्तानी सेना ने वे

सभी दांव चले हैं, जिनसे लोकप्रिय होने के बाद भी इमरान खान की पार्टी सत्ता की दौड़ से बाहर हो जाए। विवेक काटजू का आकलन।

अयोध्या के बाद आगे क्या : काशी और मथुरा के मामले हल होने चाहिए, लेकिन इसी के साथ देश को मंदिर-मस्जिद के विवादों से बाहर भी निकलना चाहिए। राजीव सचान का आलेख। • पेज 04

जागरण विशेष

आत्मनिर्भरता की नई राह खोलेगा घड़ा क्लस्टर

मोगा : दूर-दराज के इलाकों में रहने वालों के जीवनस्तर में सुधार लाने के लिए केंद्र की ओर से शुरू की गई घड़ा क्लस्टर योजना आत्मनिर्भरता की नई राह खोलेगी।

• पेज 10

मनरेगा कोष के गबन मामले में ईडी ने की ताबड़तोड़ छापेमारी

दावा- योजना के तहत जारी किए गए लगभग 25 लाख फर्जी रोजगार कार्ड

- सरकारी कार्यालयों व अधिकारियों के आवासों पर चलाया गया मैराथन तलाशी अभियान
- शशि पांजा ने कहा- भाजपा ने हताश में उठाया यह कदम, शमिक ने इसे किया खारिज

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल में मवेशी तस्करी मामला, शिक्षक भर्ती घोटाला, पालिका भर्ती घोटाला तथा राशन आवंटन घोटाले के बाद अब महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) कोष के गबन की जांच के सिलसिले में मंगलवार को ईडी ने राज्य में पहली बार कई स्थानों पर एक साथ मैराथन छापेमारी की।

सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा व हुगली जिले के धनेखाली में दर्ज एफआइआर के आधार पर चार जिलों उत्तर 24 परगना, हुगली, झाड़ग्राम व मुर्शिदाबाद में छह जगहों पर सरकारी कार्यालयों के साथ वर्तमान व पूर्व अधिकारियों के आवासों पर छापेमारी की। सूत्रों के मुताबिक ईडी को पता चला है कि लगभग 25 लाख फर्जी जाब कार्ड बनाकर करोड़ों रुपये हेरफेर किए गए हैं। इस फर्जीवाड़े में वरिष्ठ पूर्व व वर्तमान सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता सामने आई है। कोलकाता से सटे साल्टलेक के आइए ब्लाक में एक पूर्व खंड विकास अधिकारी

(बीडीओ) के आवास पर छापा मारा गया। मुर्शिदाबाद जिले के बहरमपुर में एक डिप्टी मजिस्ट्रेट संचयन पान से जुड़ी संपत्ति की भी तलाशी ली गई है। पूर्व बीडीओ संचयन हुगली जिले के धनियाखाली में तैनात थे। ईडी ने बहरमपुर में निष्कासित पंचायत कर्मचारी रथींद्रकुमार दे से पूछताछ की।

बताते चलें कि कुछ वर्ष पूर्व भ्रष्टाचार के आरोप में रथिन को निष्कासित किया गया था। उन पर गबन के पैसे विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित करने का आरोप है। इसमें से उन्होंने 17 लाख रुपये अपनी एक महिला मित्र के बैंक खाते में भी भेजे थे। 2020 में कुछ अज्ञात कारणों से इस मामले की जांच प्रक्रिया रुक गई थी। वहीं तलाशी अभियान के दौरान ईडी के अधिकारी गलती से हुगली जिले के चुंचुड़ा में एक व्यवसायी के आवास पर चले गए थे। हालांकि गलती का एहसास होने पर वे तुरंत वहां से लौट गए।

सुवेंदु ने 373 करोड़ की हेराफेरी की शिकायत की

विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को ममता बनर्जी सरकार पर 15वें वित्त आयोग द्वारा प्रदान की गई निधि में से 373 करोड़ रुपये की राशि की हेराफेरी का आरोप लगाते हुए पूरे दस्तावेजों के साथ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को ईमेल भेजा है।

विस्तार से • पेज 6

ईडी की छापेमारी पर तृकां व भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप

तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ नेता व मंत्री शशि पांजा ने ईडी की छापेमारी को प्रतिशोध की राजनीति बताया। उन्होंने कहा कि राज्य का बकाया की मांग पर पार्टी के धरने से ध्यान हटाने के लिए भाजपा का हताशा में उठाया गया यह कदम है। हालांकि भाजपा के राज्य प्रवक्ता शमिक भट्टाचार्य ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि तृणमूल का हर नेता भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहा है।

कीमोथेरेपी से नहीं झड़ेंगे बाल कैंसर की कोशिकाएं होंगी नष्ट

जागरण विशेष

हृदयानंद गिरि • दुर्गापुर

- 15 साल के गहन शोध के बाद एनआइटी दुर्गापुर के विज्ञानियों ने तैयार की कीमोथेरेपी के लिए सटीक दवा
- कैंसर कोशिकाओं के डीएनए से अभिक्रिया कर माइटोकांड्रिया को कर देगा नष्ट, मरेंगी कैंसर कोशिकाएं

कैंसर के इलाज में कीमोथेरेपी की महत्वपूर्ण है। इस प्रक्रिया में इस्तेमाल होनेवाली दवा का दुष्प्रभाव भी होता है। बाल झड़ते हैं, शरीर का वजन कम होता है, आंत व किडनी को नुकसान होता है। ऐसे में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एनआइटी) दुर्गापुर के विज्ञानियों ने कीमोथेरेपी में प्रयुक्त होने के लिए ऐसा ड्रग कैंडिडेट तैयार किया है, जिसका दुष्प्रभाव कम होगा। न शरीर के बाल झड़ेंगे, न वजन पर खास असर होगा। दवा क्लिनिकल ट्रायल पर खरी उतरी तो कैंसर के इलाज में मील का पत्थर होगी। यह शोध अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के जर्नल लांगमुईर में प्रकाशित हुआ है।

बांकुड़ा के रायडीह दलदली गांव के निवासी एनआइटी में रसायन विभाग के प्रमुख डा. शंकर चंद्र मोई व उनकी टीम के शोध छात्र सैकत मंडल, स्वरूप कुमार तराई व चंद्रिका दास ने इसे तैयार किया है। प्रो. शंकर कहते हैं कि अभी कीमोथेरेपी में प्रयोग हो रही दवा कैंसर कोशिकाओं के साथ शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को भी नष्ट करती है। हमारी टीम ने जो ड्रग कैंडिडेट बनाया, वह सिर्फ कैंसर कारक कोशिकाओं को खत्म करेगा, सामान्य कोशिकाओं पर इसका प्रभाव कम होगा। प्रयोगशाला में 15 साल शोध के बाद ड्रग कैंडिडेट 2-एमीनो मिथाइल पिरिडीन प्लेटिनम काम्प्लेक्स बनाया है।

बकौल डा. शंकर परीक्षण प्रक्रिया में कैंसर कोशिकाओं के साथ किडनी की सामान्य कोशिकाएं ली थीं। बाजार में उपलब्ध कीमोथेरेपी में प्रयुक्त होने वाली दवाओं का कैंसर कोशिकाओं व सामान्य कोशिकाओं पर परीक्षण किया। इस दवा का दोनों पर प्रभाव पड़ा। इस शोध के लिए लंदन की फेलो आफ रायल सोसाइटी आफ कमेस्ट्री ने हमें सदस्यता भी दी है। इस प्रोजेक्ट के लिए केंद्र सरकार के विज्ञान और तकनीक विभाग ने 44.66 लाख, केंद्रीय वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद ने 10 लाख और बंगाल सरकार के विज्ञान और तकनीकी विभाग ने 25 लाख रुपये दिए।

> हमारे संस्थान ने महत्वपूर्ण शोध किया है। ट्रायल में यह दवा सफल हुई तो कैंसर के इलाज में बहुत उपयोगी होगी।
>
> **प्रो. अरविंद चौबे,** निदेशक, एनआइटी, दुर्गापुर

> चयनित संस्था को यह तकनीक हस्तांतरित करेंगे। चूहा, बंदर व अन्य जंतुओं पर प्रयोग होने के बाद मानव पर परीक्षण होगा। उसके बाद दवा आम लोगों के लिए उपलब्ध होगी। भरोसा है कि परीक्षणों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।
>
> **प्रो. डा. शंकर चंद्र मोई,** प्रमुख, रसायन विभाग, एनआइटी दुर्गापुर

ऐसे नष्ट होंगी कैंसर कारक कोशिकाएं

प्रयोगशाला में तैयार इस यौगिक में प्लेटिनम मुख्य तत्व है। यौगिक का अणु कैंसर फैलाने वाली कोशिकाओं के डीएनए से अभिक्रिया कर इस कोशिका के माइटोकांड्रिया को नष्ट करेगा। माइटोकांड्रिया कोशा का पावर हाउस होता है, उसके खत्म होने से कोशिका नष्ट हो जाएगी। कैंसर पैदा करने वाली नई कोशिकाएं नहीं बनेंगी। जान लें कि कैंसर कारक कोशिकाएं तेजी से विभाजन कर वृद्धि करती हैं।

भाजपा को कुत्तों से क्या परेशानी

स्कूल में छटटी को आठवीं के छात्र

"इस पॉलिसी में, निवेश पोर्टफोलियो में निवेश जोखिम पॉलिसीधारक द्वारा वहन किया जाता है"